MODEL QUESTION PAPER SET- 1 : 2021 - 22

MM : 80 **HINDI THEORY** **Time : 3 Hrs**

Entire Syllabus

(१) सूचना के अनुसार गद्य.पद्य की सभी कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित हैं |

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें|

(३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक हैं |

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं हैं |

विभाग - १ : गद्य - अंक :

कृति : १ (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ पूर्ण कीजिये : **(६)**

कुछ दिन बाद एक सुन्दर नवयुवक साधु आगरे के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था | लोगोंने समझा, इसकी भी मौत आ गई हैं | वे उठे कि उसे नगर की रीति की सूचना दे दें, मगर निकट पहुंचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने - आपको भूल गए और किसी को साहस न हुआ की उससे कुछ कहे | दम-के- दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधुरागी आया हैं , जो बजरोंमे गा रहा हैं | सिपाहियोंने हथकड़ियाँ सँभाली और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े परंतु पास आना था कि रंग पलट गया | साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फुट रही थीं, जिन में जादू था , मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी | सिपाहियोंको न अपनी सुधरही, न हथकड़ियोंकी, न अपने बलकि, न अपने कर्तव्यकी , न बादशाहकी, न बादशाहके हुक्मकि | वे आश्चर्यसे उसके मुखकी ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था और जहाँ से गीत की मधुर ध्वनि की धारा बहर ही थी | साधु मस्त था, सुननेवाले मस्त थे | जमीन- आसमान मस्त थे | गाते - गाते साधु धीरे - धीरे चलता जाता था और श्रोताओंका समूह भी धीरे - धीरे चलता जाता था | ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र हैं जिसे नवयुवक साधू आवजोंकी जंजीरोसे खींच रहा हैं और संकेत से अपने साथ - साथ आनेकी प्रेरणा कर रहा हैं |

मुग्धजन समुदाय चलता गया, चलता गया | पता नहीं किधर को ? पता नहीं कितनी देर ?

एकाएक गाना बंद हो गया | जादुका प्रभाव टुटा तो लोगोंने देखाकि वे तानसेन कि महल कि सामने खड़े हैं |

उन्होंने दुःख और पश्चाताप से हाथ मले और सोचा - यह हम कहाँ आ गए ?

साधु अज्ञान में ही मौत के द्वार पर आ पंहुचा था | भोली - भाली चिड़िया अपने- आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी और अजगर के दिल में जरा भी दया न थी |

१) संजाल पूर्ण कीजिये : २

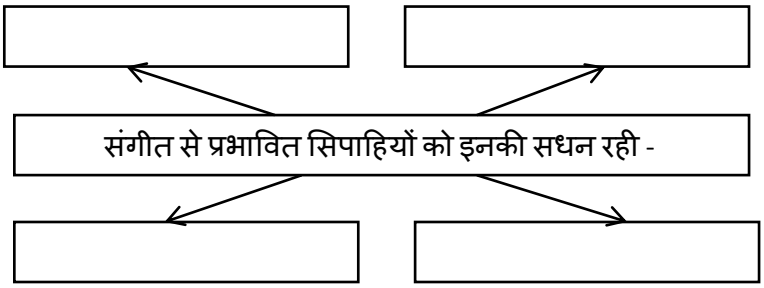

२) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द युग्म खोजकर लिखिए : २

१) ..... २) .....

३) ..... ४) .....

३) 'संगीत सुनकर मनुष्य अपनी सुध खो बैठता हे'. इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए | २

(आ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिये : (६)

वर्तमान युग विज्ञान और प्रौद्योगिकीका युग है | दुनिया में भौतिक विकास हासिलकर लेनेकी होड़ मची है | विकास की इस दौड़ में जाने - अनजाने हमने अनेक विसंगतियोंको जन्म दिया है | प्रदुषण उन में से एक अहम् समस्या है | हमारे भूमण्डल में हवा और पानी बुरी तरह प्रदूषित हुए है | यहाँ तक की मिट्टी भी आज प्रदुषण से अछूती नहीं रही | इस प्रदुषण की चपेट से शायदही कोई चीज बची हो | साँस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलना मुश्किल हो रहा है | जीने के लिए साफ़ पानी काम लोगो को ही नसीब हो रहा है | पर्यावरणविदोंका कहना है की अगले पच्चीस सालोंमे दुनिया को पेयजल के घनघोर संकट का सामना करना पड़ सकता है | आज शायदही कोई जलस्त्रोत प्रदुषण से अप्रभावित बचा हो | कुछ लोगोंका कहना है की अगला विश्वयुद्धराज नीतिक , सामरिक या आर्थिकहितोंके चलते नहीं.
वरनपानी के लिए होगा | यह तस्वीरनिः संदेह भयावह है लेकिन इसे किसी भी तरह से अतिरंजित नहीं कहा जाना चाहिए | परिस्थितियाँ जिस तरह से बदल रही है और धरती पर संसाधनोंके दोहन के चलते जिस तरह से जबरदस्त दबाव पड़ रहा है तथा समूची परिस्थितिका तंत जिस तरह चरमरा गया है , उस के चलते कुछ भी संभव हो सकता है |

१) कृति पूर्ण कीजिये : १

I.

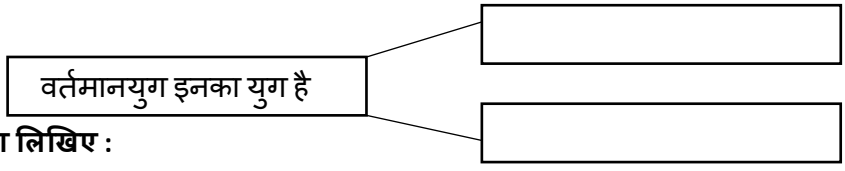

II. कारण लिखिए : १

अगला विश्व युद्ध राजनितिक, सामरिकया आर्थिक हितोंके चलते नहीं, वरनपानी के लिए होगा |

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थी शब्द परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए | २

१) नीर = ... २) भयंकर = ...

३) उन्नति = ... ४) बेशक = ...

३) 'पर्यावरण रक्षा में हमारा योगदान', इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए | २

(इ) निम्नलिखित के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए | (सिर्फ २) **(६)**

१) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

२) 'सुनो किशोरी' पाठ के आधार पर रूढ़ि - परंपरा तथा मूल्योंके बारे में लेखिका के विचार स्पष्ट कीजिए।

३) 'क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सी. एफ. सी.) नामक यौगिक की खोज प्रशीतन के क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धि रही।' स्पष्ट कीजिए।

(ई) साहित्य संबधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (सिर्फ - २) **२**

१) सुदर्शन ने इस लेखक की लेखन परंपरा को आगे बढ़ाया है :

२) आशारानी व्होराजी के लेखन कार्यका प्रमुख उद्देश्य -

३) आशारानी व्होराजी की रचनाएँ -

४) लेखक कन्हैया लाल मिश्रा 'प्रभाकर' जी की भाषा शैली –

विभाग - २ : पद्य - अंक : २०

कृति : २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। **(६)**

पद्यांश

सरसुति के भंडार की, बड़ी अपूरब बात ।
ज्यौं खरचै त्यौं-त्यौं बढ़ै, बि न खरचे घटि जात ।।
नैना देत बताय सब, हिय को हेत-अहेत ।
जैसे नि रमल आरसी, भली बुरी कहि देत ।।
अपनी पहुँच बि चारि कै, करतब करिए दौर ।
तेते पाँव पसारिए, जेती लाँबी सौर ।।
फेर नह् वै हैं कपट सों, जो कीजै ब्यौ पार ।
जैसे हाँड़ी काठ की, चढ़ै न दूजी बार ।।
ऊँचे बैठे ना लहैं, गुन बि न बड़पन कोइ ।
बैठो देवल सिख र पर, वायस गरुड़ न होइ ।।

१) कृति पूर्ण कीजिए : **१**

I)

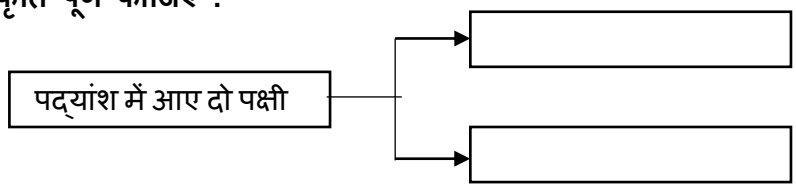

II) कारण लिखिए : **१**

सरस्वती के भंडार को अपूर्व कहा गया है :

२) उचित मिलान कीजिए : २

क्र .	अ		ब
१	करतब	क	मंदिर
२	देवल	ख	चादर
३	काठ	ग	कार्य
४	सौर	घ	लकड़ी

३) 'चादर देख कर पैर फैलाना बुद्विमानी कहलाती है ', इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में व्यक्त कीजिए। २

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

पद्यांश

आँखों में बहुत बाढ़ है , शेष सब कुशल।
जीवन नहीं अषाढ़ है , फिर शेष सब कुशल।
××××××××××××××××××
सड़कने जब मेरे पैरोंकी उँगलियाँ देखीं :
कड़कती धुप में सीनेपे बिजलियाँ देखीं।
××××××××××××××××××
साँस हमारी हमें पराये धन - सिलगती है ,
साहूकार के घर गिरवी कंगन - सिलगती है।
××××××××××××××××××
किसी का सर खुला है तो किसी के पॉव बहार है ,
जरा ढंगसे तू अपनी चादरों को बुन मेरे मालिक।
××××××××××××××××××
वह जो मजदुर मरा है , वह निरक्षर था मगर,
अपने भीतर वह रोज, इक किताब लिखता था।

-('सूरज तुम्हारा है' गजल संग्रह से)

१) संजाल पूर्ण कीजिए : २

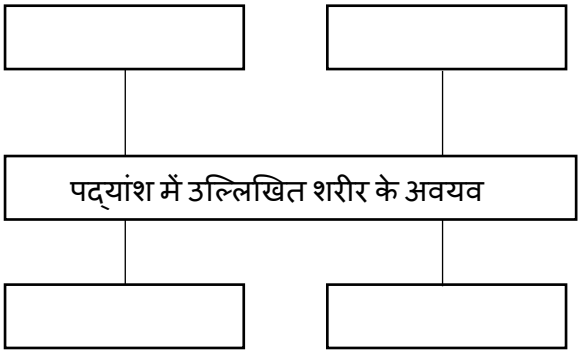

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : **२**

१) किताब २) साहूकार ३) कंगन ४) आँख

३) 'क्रांति कभीभी अपने - आप नहीं आती ; वह लाई जाती है ', इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। **२**

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए। **(६)**

१) रचनाकार का नाम : १

२) पसंद की पंक्तियाँ : १

३) पसंद के कारण : २

४) कविता की केंद्रीय कल्पना : २

अथवा

'पेड़ हौसला है, पेड़ दाता है', इस कथन के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) साहित्य संबधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक- एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (सिर्फ - २) **(२)**

१) नयी कविता का परिचय -

२) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है -

३) त्रिलोचन जी के दो काव्यसंग्रहों के नाम -

४) गुरुनानकजी की रचनाओंके नाम :

विभाग - ३ : विशेष अध्ययन - अंक : १०

कृति : ३ (अ) काव्य पंक्तियाँ पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। **(६)**

सेतु : मैं

नीचे की घाटी से
ऊपर के शिख रों पर
जिसको जाना था वह चला गया-
हाय मुझी पर पग रख
मेरी बाँहों से
इतिहास तुम्हें ले गया !

सुनो कनु, सुनो
क्या मैं सिर्फ एक सेतु थी तुम्हा रे लि ए
लीलाभूमि और युद्धक्षेत्र के
अलंघ्य अंतराल में !

अब इन सूने शिख रों, मृत्यु घाटि यों में बने
सोने के पतले गुँथे तारोंवाले पुल-सा
निर्जन
निरर्थक
काँपता-सा, यहाँ छूट गया-मेरा यह सेतु जि स्म
-जिसको जाना था वह चला गया

१) संजाल पूर्ण कीजिए : **२**

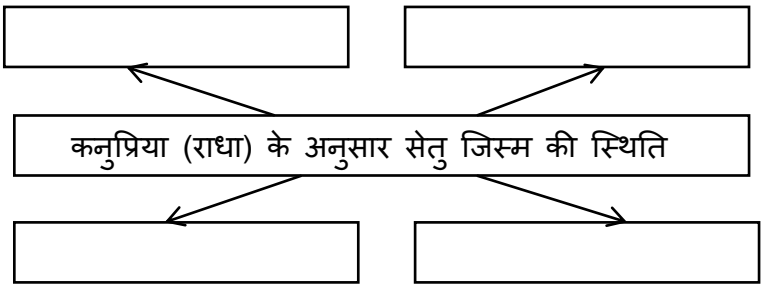

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। **२**

१) ऊपर × ..... २) निरर्थक × .....

३) पतला × ..... ४) मृत्यु × .....

३) ' व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए' , इस विषय पर अपना मत ४० से ५० शब्दों में लिखिए। **२**

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। **(४)**

१) 'कविने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्द बद्ध किया है', इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

२) राधा की दृष्टी से जीवन की सार्थकता बताइए।

विभाग - ४ : व्यावहारिक हिंदी / अपठित गद्यांश / पारिभाषिक शब्दावली - अंक : २०

कृति : ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए। **(६)**

समाज सेवक डॉ . प्रकाश आमटे पर फीचर लेखन कीजिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

अच्छे मंच संचालक के लिए आवश्यक है – अच्छी तैयारी । वर्तमान समय में संगीत संध्या, बर्थ डे पार्टी या अन्य मंचीय कार्य क्रमों के लिए मंच संचालन आवश्यक हो गया है । मैंने भी इस तरह के अनेक कार्यक्रमों के लिए सूत्र संचालन किया है । जिस तरह का कार्यक्रम हो, तैयारी भी उसी के अनुसार करनी होती है । मैं भी सर्व प्रथम यह देखता हूँ कि कार्य क्रम का स्वरूप क्या है? सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक, कवि सम्मेलन, मुशायरा या सांस्कृतिक कार्यक्रम ! फिर उसी रूप में मैं कार्य क्रम का संहिता लेखन करता हूँ । इसके लिए कड़ी साधना व सतत प्रयास आवश्यक है । कार्यक्रम की सफलता सूत्र संचालक के हाथ में होती है । वह दो व्यक्तियों, दो घटनाओं के बीच कड़ी जोड़ने का काम करता है । इसलिए संचालक को चाहिए कि वह संचालन के लिए आवश्यक तत्त्वों का अध्ययन करे । सूत्र संचालक के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है । हँसमुख, हाजिरजवाबी, विविध विषयों का ज्ञाता होने के साथ-साथ उसका भाषा पर प्रभुत्व होना आवश्यक है । कभी-कभी किसी कार्यक्रम में ऐन वक्त पर परिवर्त न होने की संभावना रहती है । यहाँ सूत्र संचालक के भाषा प्रभुत्व की परीक्षा होती है । पूर्व निर्धा रित अतिथियों का न आना, यदि आ भी जाए तो उनकी दि नभर की कार्य व्यस्तता का विचार करते हुए कार्य क्रम पत्रिका में संशोधन/सुधार करना पड़ता है । आयोजकों की ओर से अचानक मिली सूचना के अनुसार संहिता में परिवर्तन कर संचालन करते हुए कार्य क्रम को सफल बनाना ही सूत्र संचालक की विशेषता होती है ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए : **२**

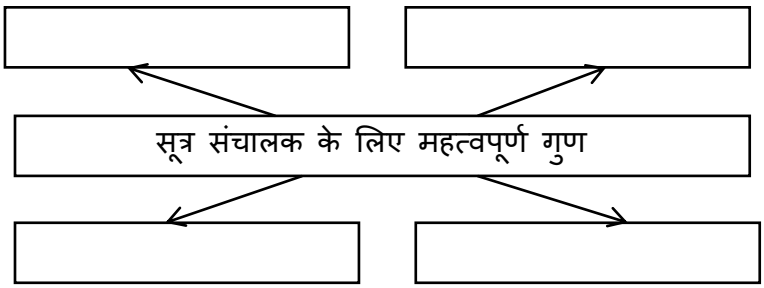

२) निमन्लिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : **२**

१) अतिथियों २) संभावना ३) प्रयास ४) पत्रिका

३) 'दूरदर्शन कार्यक्रम के अच्छे सूत्र संचालक बनने की कामना' , इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए। **२**

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। **(४)**

१) पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

२) ब्लॉग लेखन से तात्पर्य।

अथवा

(आ) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

१) लेखक आनंद प्रकाश सिंह जी ने रेडियो उद्घोषक पद पर इतने वर्ष तक सेवाएँ प्रदान की।

(अ) १५ (आ) २९ (इ) १८ (ई) २३

२) हिंदी में यह शब्द अंग्रेजी 'Expansion' शब्द के प्रतिशब्द के रूप में आता है।

(अ) उद्घोषक (आ) पत्रकारिता (इ) पल्लवन (ई) मंच संचालक

३) 'ब्लॉग' अपना विचार, अपना मत व्यक्त करने का एक माध्यम है।

(अ) डिजिटल (आ) प्रसारण (इ) सामाजिक (ई) प्रचार

४) पाठक की मानसिक योग्यता और यह पृष्ठ भूमिको ध्यान में रखकर फीचर लेखन किया जाना चाहिए।

(अ) बौद्धिक (आ) सामहिक (इ) राजकीय (ई) शैक्षणिक

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए। **(६)**

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है। शिक्षा विहीन व्यक्ति पशु के जीवनयापन करता है। व्यक्ति के अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते है। शिक्षा के माध्यम व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनता है , साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन करता है। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा, प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे हैं। आवश्यकता है, प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने की , अथवा १४ वर्ष की आयु से अधिकवाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित हैं। अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति जो समय से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न पा रहे हैं। शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग कर पाता और न ही भोला - भाला किसान अपनी उपज

का उचित मूल्य कर पाता हैं। आज भी वह साहूकार और अन्य लोगों के द्वारा आसानी से ठग लिया जाता हैं। स्वतंत्रता से पूर्व व्यक्ति कि स्थिति शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ख़राब थी।

१) संजाल पूर्ण कीजिए : **२**

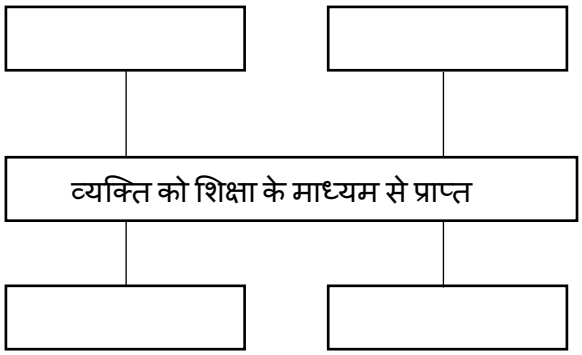

२) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए : **२**

१) पशु = ... २) मूल्य = ...

३) स्वयं = ... ४) बालक = ...

३) "शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार हैं", इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। **२**

(ई) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए। **४**

१) Dismiss २) Graphic Table ३) Meteorology ४) Agenda

५) Output ६) Registration ७) Indemnity ८) Friction

विभाग - ५ : व्याकरण - अंक : १०

कृति : ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सुचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (सिर्फ २) **(२)**

१) मैं इसके परिणाम की प्रतीक्षा करुँगी। (अपूर्ण भूतकाल)

२) पक्षी मीठे गीत गा रहे थे। (पूर्ण वर्तमानकाल)

३) शॉ के इन शब्दों में अहंकार की पैनी धार हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

४) ये सीधे वातावरण में ऊँचाई पर चले जाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

(आ) निम्न पंक्तियों में उद्भूत अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए। (सिर्फ २) **(२)**

१) सबै सहायक सबलकै , को उन निबल सहाय।
पवन जगावत आगही, दीप हिन्देत बजाय।।

२) उधो, मेरा हृदयतल था एक उद्यान न्यारा।
शोभा देतीं अमित उसमें कल्पना - क्यारियाँभी।।

३) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े - बड़े।
हिरकों में गोलनीलम है जड़े।।

४) हनुमंत की पूँछ में लगन पाई आग।
लंका सगरी जल गई , गए निशा चरभाग।।

(इ) निम्न पंक्तियों में उद्‌भूत अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए। (सिर्फ २) (२)

१) सुड़ुक , सुड़ुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकल रहा हैं ,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकल रहा हैं।

२) माला फेरत जुगभया, गया नमन का फेर।
करकामन का डारीकै, मनकामन का फेर।।

३) बिनु - पगचलै, सुनै बिनुकाना।
कर बिनु कर्मकरै, विधिनाना।
आननर हित सकल रस भोगी।
बिनुवाणी वक्ता, बड़जोगी।।

४) श्रीकृष्ण के वचनसून, अर्जुन क्रोध से जलने लगे।
सब शोक अपना भूलकर , करतल युगल मलने लगे।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (सिर्फ २) (२)

१) लहर को ऊपर से उतार देना

२) कंठ भर आना

३) धरती पर निगाह रखना

४) रंग में भंग होना

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्‌ध करके फिर से लिखिए। (सिर्फ २) (२)

१) दोस अकेली रचना का हैं बी नहीं।

२) उसके सत्य का पराजय हो जाता हैं।

३) बैजू हाथों बाँधकर खड़े हो गया।

४) एक मैं सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्‌ध हो गया।

Together we will make a difference